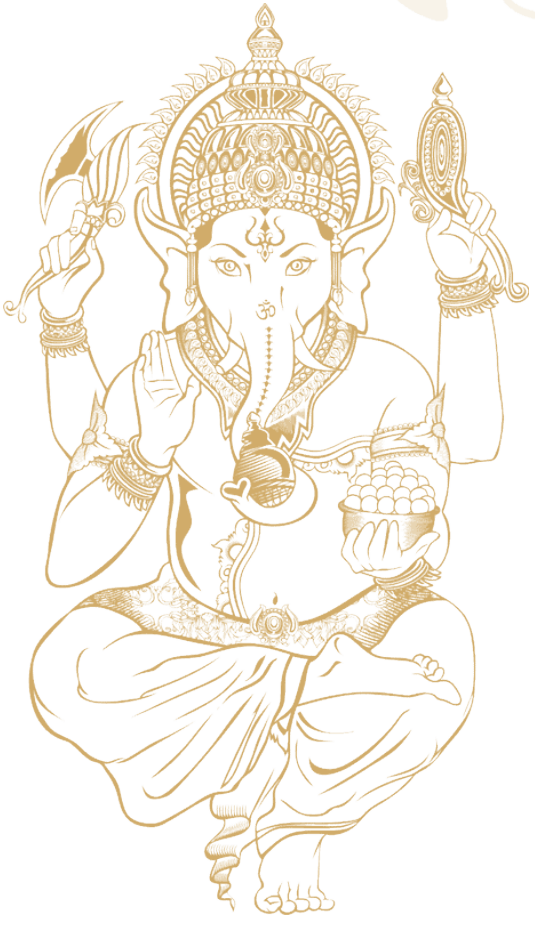

Mr.nikhil

Ms.prakrati

Model: Web-FreeMatching

Order No: 119178602

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
19/01/2001	जन्म तिथि	03/07/2002
शुक्रवार	दिन	बुधवार
घंटे 19:25:00	जन्म समय	17:07:00 घंटे
घटी 30:10:17	जन्म समय(घटी)	28:11:48 घटी
India	देश	India
Udaipur	स्थान	Udaipur
24:36:00 उत्तर	अक्षांश	24:36:00 उत्तर
73:47:00 पूर्व	रेखांश	73:47:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:34:52	स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
07:20:53	सूर्योदय	05:50:16
18:10:35	सूर्यास्त	19:27:36
23:52:03	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:15

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 7वर्ष 5मा 13दि		22:42:45	कर्क	लग्न	वृश्चि	16:25:42	बुध 5वर्ष 3मा 27दि	
केतु		05:41:36	मक	सूर्य	मिथु	17:29:02	शुक्र	
04/07/2025		11:26:09	वृश्चि	चंद्र	मीन	25:49:25	30/10/2014	
04/07/2032		21:46:24	तुला	मंगल	मिथु	29:34:10	30/10/2034	
केतु	30/11/2025	20:57:58	मक	बुध	वृष	29:09:07	शुक्र	28/02/2018
शुक्र	30/01/2027	07:22:40	वृष व	गुरु	मिथु	29:36:04	सूर्य	01/03/2019
सूर्य	07/06/2027	22:46:07	कुंभ	शुक्र	कर्क	27:42:29	चन्द्र	29/10/2020
चन्द्र	06/01/2028	00:13:12	वृष व	शनि	वृष	27:38:57	मंगल	29/12/2021
मंगल	03/06/2028	21:38:14	मिथु	राहु	वृष	23:44:05	राहु	29/12/2024
राहु	22/06/2029	21:38:14	धनु	केतु	वृश्चि	23:44:05	गुरु	30/08/2027
गुरु	29/05/2030	25:45:14	मक	हर्ष व	कुंभ	04:35:11	शनि	30/10/2030
शनि	08/07/2031	12:08:32	मक	नेप व	मक	16:27:21	बुध	30/08/2033
बुध	04/07/2032	20:30:33	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:42:50	केतु	30/10/2034

लग्न-चलित

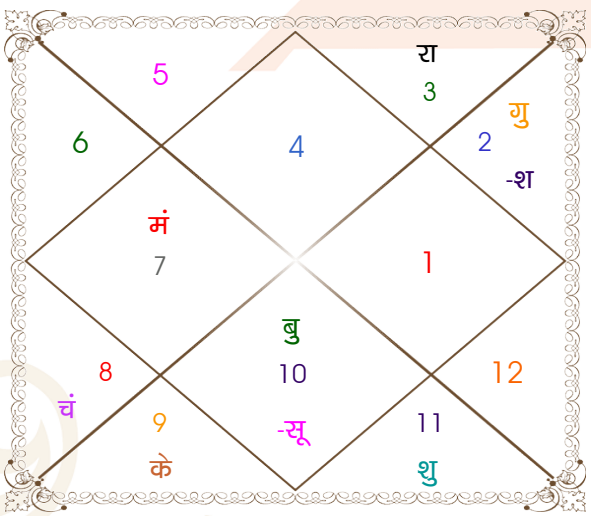

लग्न-चलित

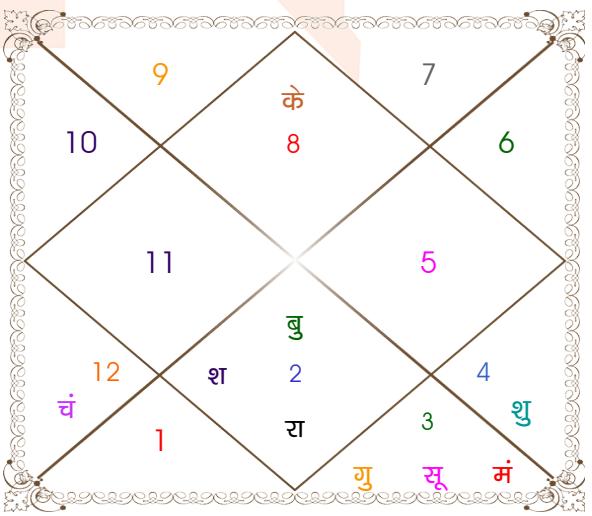

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	अतिमित्र	सम्पत	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	गज	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	मीन	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	अन्त्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Mr.nikhil का वर्ग सर्प है तथा Ms.prakrati का वर्ग सिंह है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Mr.nikhil और Ms.prakrati का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

Mr.nikhil मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms.prakrati मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Ms.prakrati कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि Mr.nikhil कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Mr.nikhil तथा Ms.prakrati में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।